Date	Edition	Publication	Page no.
27th August 2014	Raipur	Prakhar Samachar	02

इंडिया इलेक्ट्स में चुनाव का प्रभावी विश्लेषण

नई दिल्ली। इंडिया इलेक्ट्स-2014 पुस्तक में भारत के आम चुनाव 2009-2014 के नतीजों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। विगत दिनो इस पुस्तक का विमोचन भारत के पूर्व चुनाव आयुक्त डॉ एस वाई कुरैशी ने किया। प्रसिद्ध चुनाव विश्लेषक, डॉ प्रणॉब रॉय, कार्यकारी अध्यक्ष, एनडीटीवी लिमिटेड द्वारा इस पुस्तक की प्राक्कथन लिखी गई है और डॉ आर के ठुकराल, निदेशक, डाटानेट इंडिया ने इसकी भूमिका लिखी है।

डाटानेट इंडिया के निदेशक डॉ. आर के ठुकराल ने इसकी कुछ विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताया कि इस पुस्तक में ज्ञानवर्द्धक जानकारियों और तथ्यों को उजागर करने के लिए 205 नक्शों, 235 से अधिक रेखाचित्रों और असंख्य आंकड़ों की सहायता से 2009 और 2014 के आम चुनावों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के मतदाताओं की संख्या अमेरिका और पश्चिमी यूरोप की संयुक्त आबादी से भी अधिक है। भौगोलिक क्षेत्र के हिसाब से भारत का सबसे बड़ा निर्वाचन क्षेत्र लद्दाख है, जिसका क्षेत्रफल (172,374 वर्ग किलोमीटर) कई संप्रभु राष्ट्रों जैसे बांग्लादेश, नेपाल और उत्तर कोरिया के क्षेत्रफल से अधिक है। पुस्तक के विमोचन के अवसर पर डाटानेट इंडिया के निदेशक, मदन बहल ने कहा कि स्वाधीनता के बाद से ही अपने पोर्टल के माध्यम से सभी संसदीय और विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजों का सार मुहैया कराए हैं और शहर, गांव और बूथ स्तर पर नक्शों की सहायता से चुनाव नतीजों का जिओस्पेटिल विश्लेषण प्रस्तुत किया है।

डाटानेट इंडिया के निदेशक, डॉ. ठुकराल ने अंत में कहा कि 2014 के चुनाव नतीजें आईएनसी-यूपीए की तुलना में बीजेपी-एनडीए के वोट शेयर में स्पष्ट स्विंग और वृद्धि को दर्शाते हैं, जिनका असर पूरे भारत में भविष्य में होने वाले चुनावों पर देखने को मिल सकता है। इंडिया इलेक्ट्स - 2014 राजनीतिज्ञों, नीति निर्माताओं, विद्धानों, चुनाव विश्लेषकों, मीडिया प्रोफेशनलों और भारत की चुनाव राजनीति में दिलचस्पी रखने वाले शिक्षण समुदाय के लिए एक संदर्भ गाइड के रूप में सहायक हो सकता है।